मध्य प्रदेश तीर्थ यात्रा योजना

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **वरिष्ठ नागरिकों के लिये सरकार की तीर्थ यात्रा योजना** का विस्तार करने और राज्य के धार्मिक स्थलों को इसमें शामिल करने के निर्देश दिये हैं।

मुख्य बिंदु:

- **मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना,** जिसके तहत लोग देश के विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करते हैं, वर्ष 2012 में शुरू की गई थी।
- **मध्य प्रदेश के अधिकांश लोग राज्य की भौगोलिक बनावट के कारण विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करने में असमर्थ हैं,** जिससे वे अपने राज्य की अनूठी विशेषताओं से अनभिज्ञ रह जाते हैं।
    - इस **योजना का विस्तार किया जाना चाहिये** जिससे **वरिष्ठ नागरिक न केवल देश भर के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों,** बल्कि मध्य प्रदेश के उल्लेखनीय धार्मिक स्थलों के दर्शन भी कर सकें।
- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि:
    - **मेधावी विद्यार्थियों को** ऐतिहासिक महत्त्व के **महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराने की सुविधा प्रदान करने** के लिये एक योजना तैयार करें।
    - **जनजातीय बहुल क्षेत्रों के लोक कलाकारों को पर्यटन स्थलों तक आने का अवसर** प्रदान करना, जहाँ वे **अपनी कला का प्रदर्शन** कर सकें।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

- इसे **जून 2012** में मध्य प्रदेश सरकार के धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग द्वारा **शुरू** किया गया था।
- इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार **राज्य के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों (महिलाओं के लिये 2 वर्ष की छूट) को राज्य से बाहर निर्धारित तीर्थ यात्रा के लिये एकमुश्त सहायता** प्रदान करती है।
- इस योजना में राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को **मुफ्त यात्रा** की सुविधा दी जाती है।
    - तीर्थयात्रियों को विशेष रेलगाड़ी से यात्रा, नाश्ता, भोजन, शुद्ध पेयजल, तीर्थ स्थानों पर ठहरने आदि की व्यवस्था की जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-pilgrimage-scheme